बच्चों के लिए बाइबिल प्रस्तुति

राजा दाऊद (भाग 2)

लेखक: Edward Hughes

व्याख्याकार: Lazarus

रूपान्तरकार: Ruth Klassen

अनुवाद: Suresh Kumar Masih

प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

©2017 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

दाऊद दक्षिणी इस्राएल में यहूदा का राजा था। लेकिन इस्राएल के बाकी हिस्सों में शबोशेत शाऊल का पुत्र, राजा के रूप में अगुवाई की।

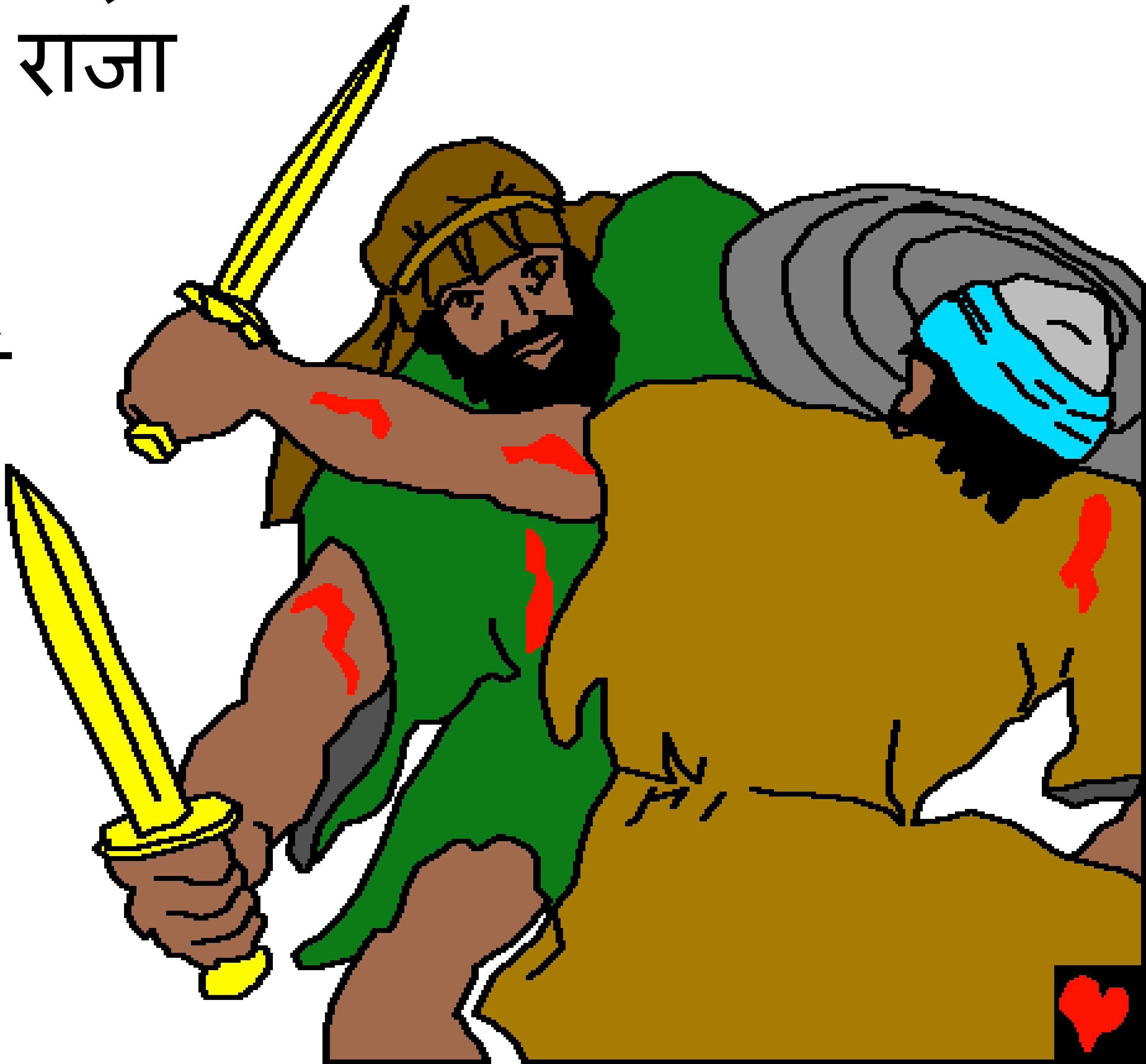

सात साल के लिए
नाराजगी के साथ
लड़ाई जारी रही,
परन्तु दाऊद
दिन प्रति
दिन
मजबूत
और
मजबूत
होता गया।

अंत में राजा ईशबोशेत को उसके ही दो सैनिकों ने मार डाला था।

फिर इस्राएल के सभी गोत्र के लोग दाऊद के पास आये और उसे पूरे इस्राएल पर राजा नियुक्त कर दिया। लंबे समय तक, दाऊद पूरे देश का राजा था।

राजा दाऊद ने सबसे पहले यरूशलेम पर कब्जा किया। यह दाऊद के शहर के नाम से जाना गया। उसने इसे दुश्मनों के खिलाफ एक गढ़ के रूप में बनाया।

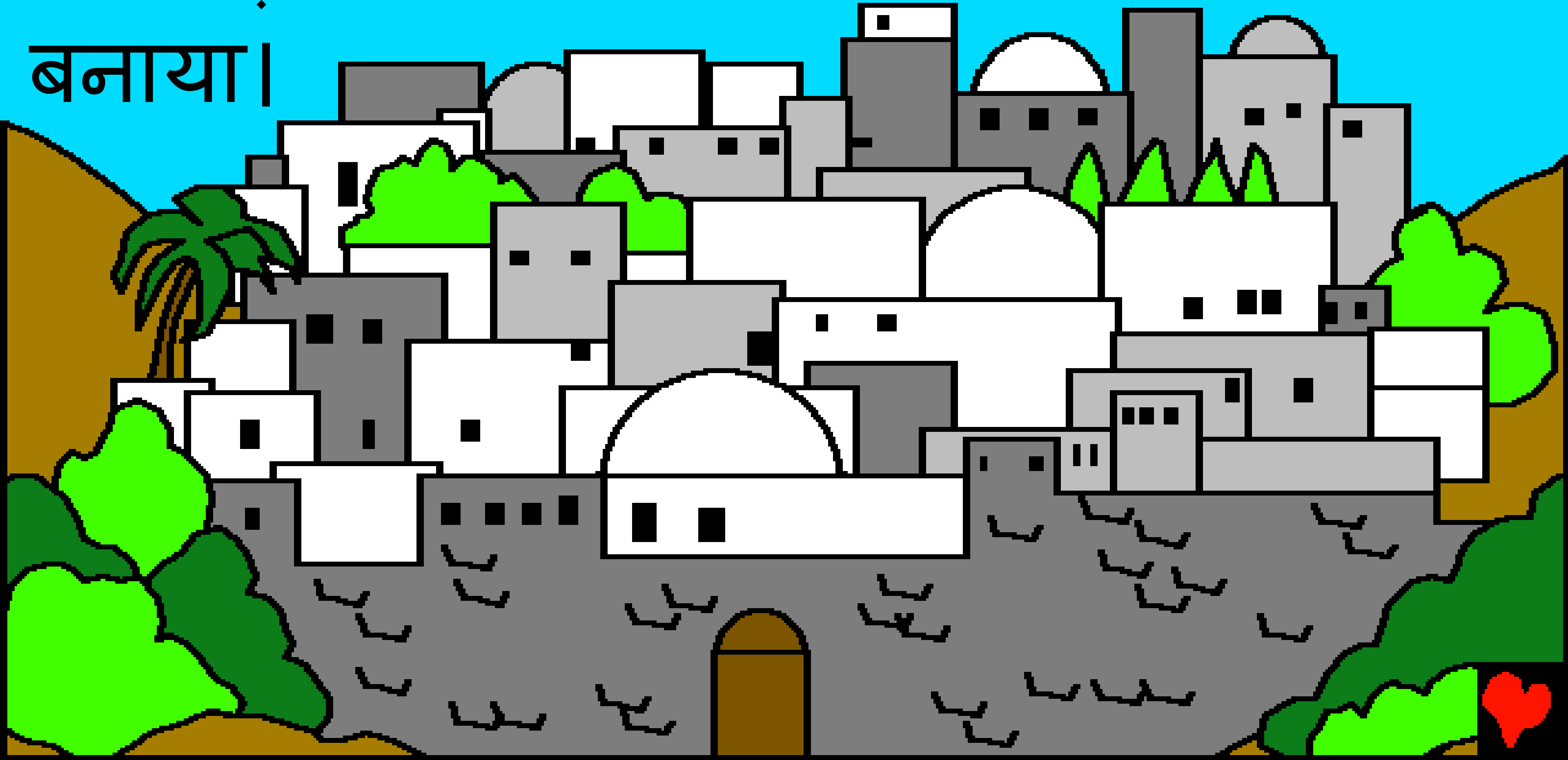

यरूशलेम से, दाऊद की सेना इस्राएल के लिए पलिश्तियों और अन्य शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने के लिए गयी।

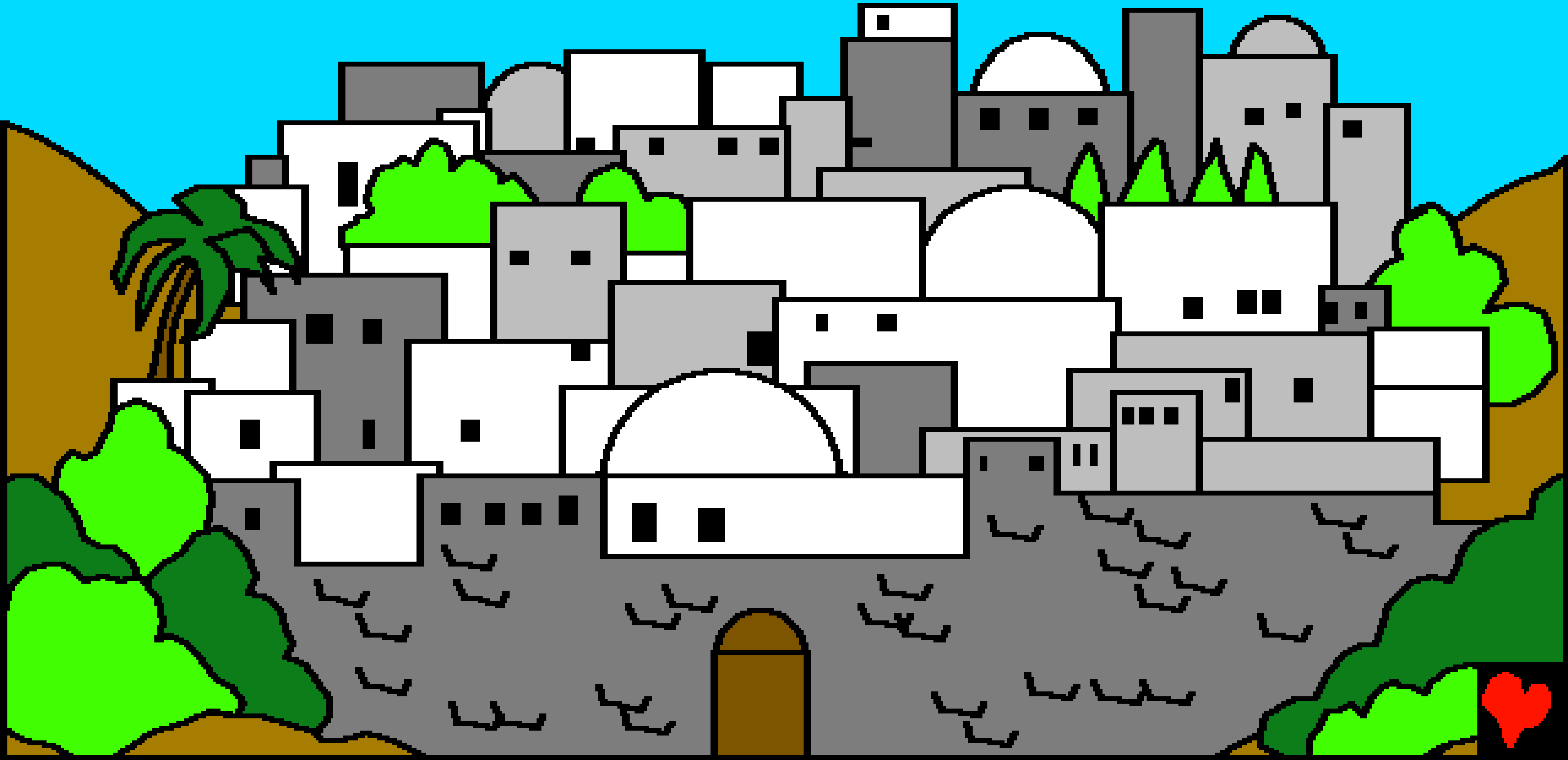

फिर, राजा दाऊद ने परमेश्वर के सन्दूक को यरूशलेम में लाया। परमेश्वर के सन्दूक में दस आज्ञाओं और अन्य कानूनों की प्रतियां निहित थीं, जिन्हे परमेश्वर ने मूसा को दिया था।

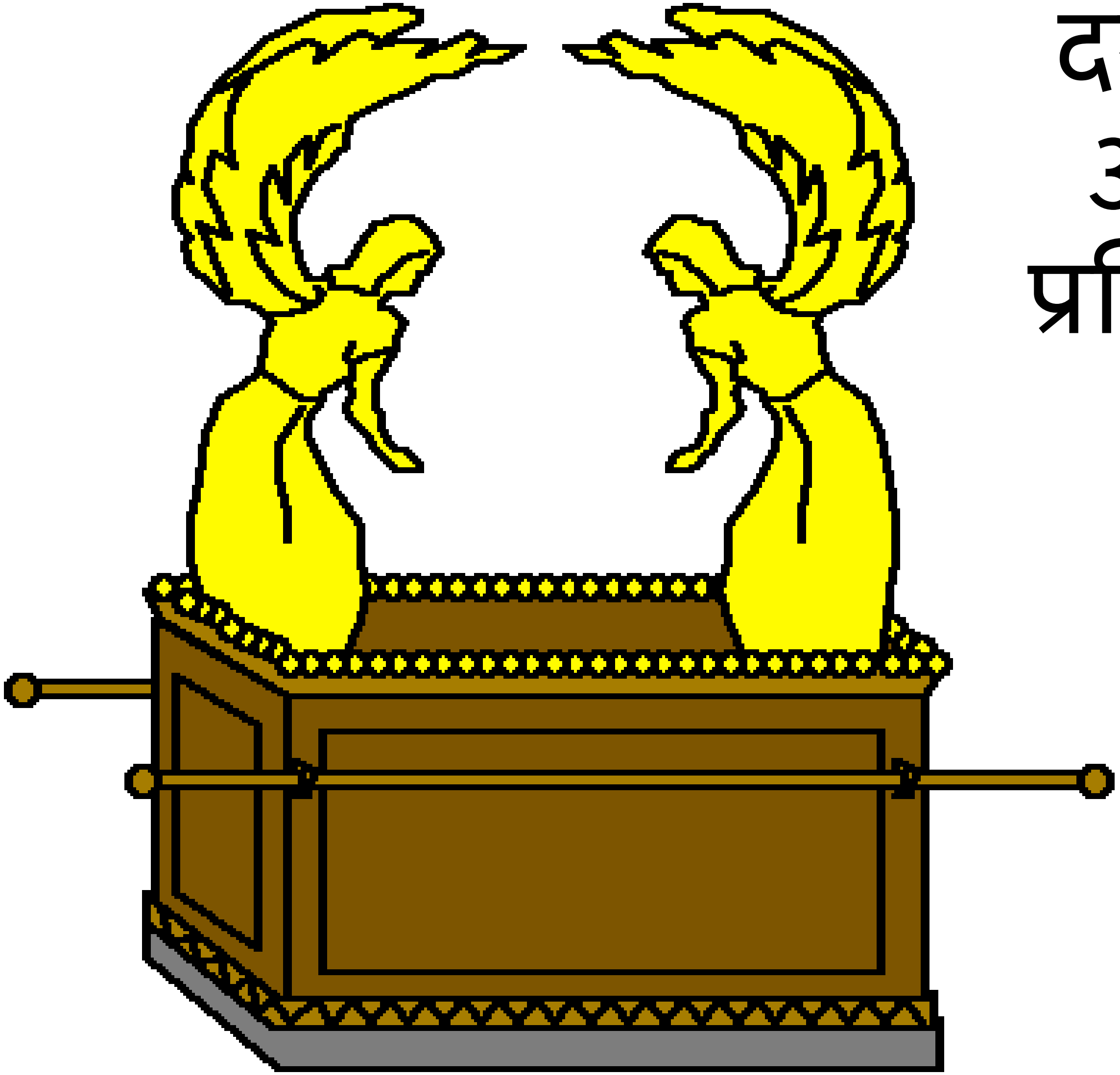

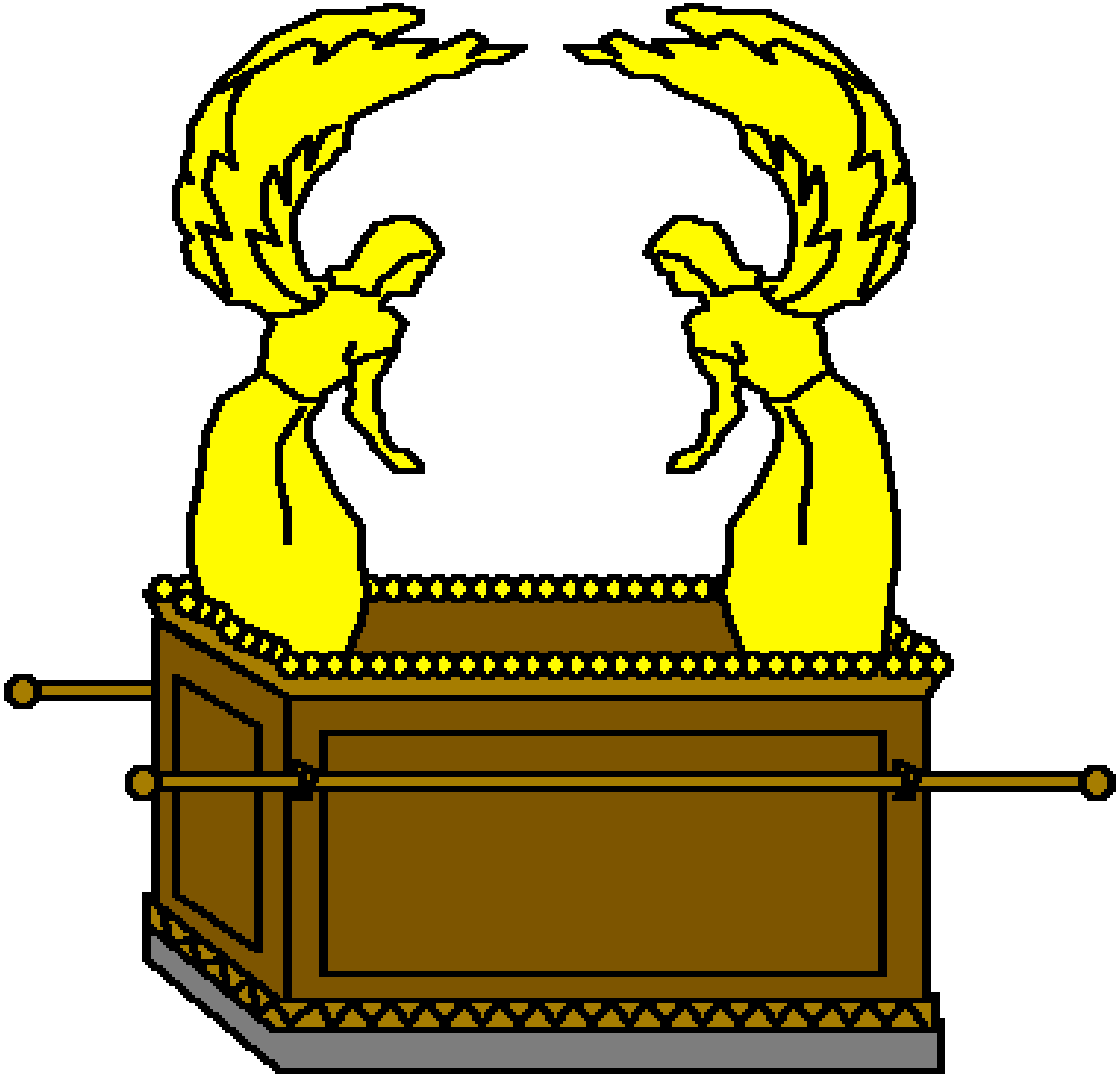

सन्दूक इस्राएलियों के परमेश्वर की पवित्रता थी, और यह उसकी आज्ञाओं का पालन करने के लिए याद दिलाता था।

दाऊद को अपने शासनकाल के प्रारंभिक वर्षों में अनेको लड़ाईया लड़नी पड़ी थी।

वह एक बुद्धिमान सैनिक और एक विनम्र व्यक्ति था जो परमेश्वर के मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना किया करता था।

दाऊद परेशान था क्योकि उसके रहने के लिए एक अच्छा महल था परन्तु परमेश्वर का सन्दूक अभी भी एक तम्बू में रखा था।

दाऊद ने एक मंदिर
का निर्माण करने
का फैसला किया।
नातान, परमेश्वर
के नबी ने, पूरा
करने की
सलाह दी।

उसी रात,
परमेश्वर
ने दाऊद
को संदेश
भेजा।
"मेरे दास
दाऊद, यहोवा
आप ही तुम्हे एक
घर बनायेगा" जब तू अपने दिनों को पूरा
कर, अपने पूर्वजों के साथ आराम करेगा,

तब मै
तुम्हारे बाद
तुम्हारे
संतान को
राजा के रूप
में स्थापित
करूँगा। वह मेरे
नाम के लिए मंदिर का
निर्माण करेगा और मैं हमेशा के लिए उसके
राज गद्दी को स्थापित करूंगा।"

दाऊद शाऊल के परिवार के किसी भी बचे ब्यक्ति की मदद करना चाहता था।
केवल योनातान का
पुत्र मपीबोशेत
मिला, पर वह
अपंग था।

दाऊद ने कहा, "वह राजा के पुत्रों में से एक की तरह मेरी मेज पर भोजन किया करेगा।" योनातान उसका सबसे अच्छा दोस्त था इसलिए दाऊद मपीबोशेत पर तरस खाया।

जब तक दाऊद परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओ का पालन किया, परमेश्वर ने समृद्धि के लिए दाऊद की भरपूर मदद की।

लेकिन एक दिन, एक भयानक विपत्ति दाऊद के जीवन में आयी। वह यरूशलेम में रूक गया, जबकि अपनी सेना को लड़ने के लिए बाहर भेज दिया।

एक रात, वह सो नहीं पा रहा था। इसलिए वह अपनी छत के ऊपर चला गया और शहर को देखने लगा।

दाऊद ने एक खूबसूरत
औरत को स्नान करते देखा।
उसका नाम बतशेबा था।
दाऊद, ने बतशेबा के साथ
पाप किया, यहां तक कि
उसका पति, ऊरिय्याह,
दाऊद के बहादुर सैनिकों
में से एक था।

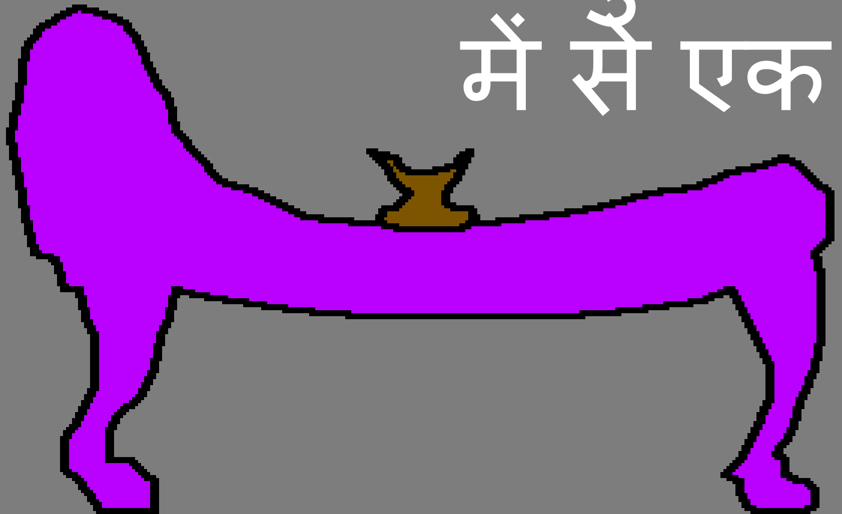

जब बतशेबा ने बाद में दाऊद को बताया कि वह उसके बच्चे को जन्म देने जा रही है, दाऊद जान लिया की उसका पाप अधिक समस्याएं पैदा कर सकता है।

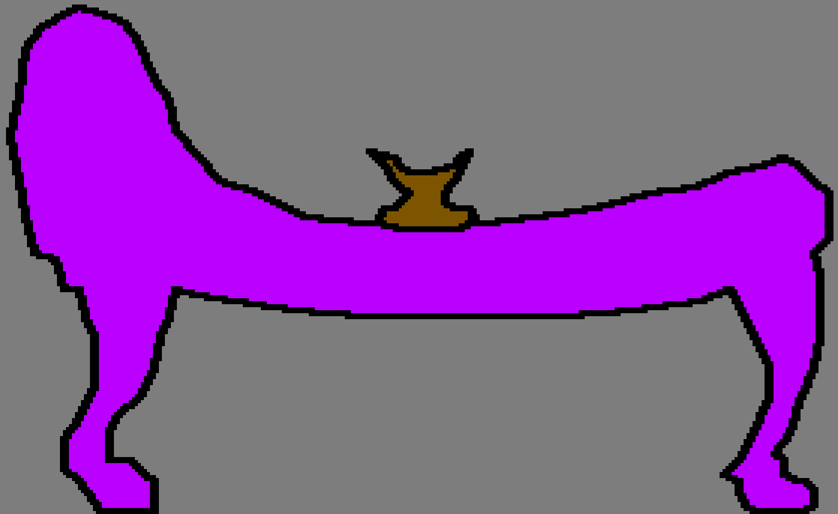

परमेश्वर से माफ़ी
मांगने की वजाय,
दाऊद ने अपने पाप
को छुपाने की कोशिश की। इसमे कामयाबी
नहीं मिली! उसने युद्ध क्षेत्र से ऊरिय्याह को
घर बुलाया, इस उम्मीद से की ऊरिय्याह
सोचेगा की आने वाली संतान उसकी है।

लेकिन ऊरिय्याह अपने साथी सैनिकों को युद्ध में छोड़कर घर नहीं गया। ऊरिय्याह राजा के घर के दरवाजे पर सो गया।

तब दाऊद ने उससे भी अधिक दुष्ट काम किया। उसने एक पत्र के साथ युद्ध के मैदान के लिए वापस ऊरिय्याह को भेजा।

पत्र में सेना पति को बताया गया था की ऊरिय्याह को लड़ाई में शहीद करवाना ही है। जब ऊरिय्याह को मार डाला गया, दाऊद ने बतशेबा को अपनी पत्नी होने के लिए बुलवा लिया।

परमेश्वर ने दाऊद को उसका पाप दिखाने के लिए उसके सेवक, नातान को भेजा। नातान ने दाऊद को अमीर आदमी और एक बहुत ही गरीब आदमी की एक कहानी सुनाई।

अमीर आदमी के
पास सैकड़ों भेड़ें
थी, लेकिन गरीब
आदमी के
पास केवल एक
छोटा मेमना
था, जो उसके
लिए एक क़ीमती
बेटी की तरह था।

जब एक यात्री अमीर आदमी के घर आया, अमीर आदमी ने उसे खिलाने के लिए अपनी भेड़ों में से एक को नहीं मारा। इसके बजाय, वह गरीब आदमी की भेड़ के बच्चे को मार डाला।

दाऊद अमीर आदमी के स्वार्थ के लिए गुस्सा था। उसने कहा, "जिस आदमी ने यह किया है वह निश्चित रूप से मरेगा" वह चिल्लाया।

"वह आदमी तुम हो!" बहादुर नातान ने दाऊद को बताया। दाऊद ने जो किया था वह कहानी में अमीर आदमी के करतूतों से भी बदतर था।

परमेश्वर ने यह दिखाया की दाऊद कैसे दुष्ट हो गया था। तब दाऊद ने अपने पापों के लिए माफ़ी मांगी। उसने परमेश्वर से कहा: "मैं इस बुरे पाप को तुम्हारे खिलाफ। किया है।"

और परमेश्वर ने
दाऊद के पाप को
माफ कर दिया।
लेकिन बतशेबा का
बेटा बहुत बीमार था,
और जल्द ही जन्म
के बाद उसकी
मृत्यु हो गई।

परमेश्वर ने दाऊद की इस भयानक पाप के लिए उसे माफ कर दिया। बतशेबा बाद में एक बच्चे, सुलेमान को जन्म दिया जो एक महान राजा बनाने वाला था। लेकिन राजा दाऊद के कई अन्य बच्चे भी थे जिनमे से कुछ उसपर महान दुख को लाये।

राजा दाऊद (भाग 2)

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

2 शमूएल 1-12

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16